हिंदी विभाग

प्रस्तुतीः— डॉ. ममता देवी

अलंकार

अलंकार का अर्थ ः–काव्य की शोभा बढाने वाले शब्दो को अलंकार कहते है।

अलंकार के प्रकारः–

- शब्दालंकार
- अर्थालंकार

शब्दालंकार

- अनुप्रास अलंकार
- यमक अलंकार
- श्लेष अलंकार

अर्थालंकार

- उपमा अलंकार
- रूपक अलंकार
- अतिश्योक्ति अलंकार
- उत्प्रेक्षा अलंकार
- पुनरुक्ति अलंकार
- अन्योक्ति अलंकार
- संदेह अलंकार
- मनवीकरण अलंकार

अनुप्रास अलंकारः

जहाँ व्यंजनो की बारबार आवृति हो अनुप्रास अलंकार कहलाता है ।

उदाहरणः रघुपति राघव राजा राम

यमक अलंकार

जब एक ऽब्द एक अधिक बार भिन्न. भिन्न अर्थो के लिए प्रयुक्त होता है ।

उदाहरणरू कनक.कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय

श्लेष अलंकार

जब एक पंक्ति में एक ही शब्द के अनेक अर्थ निकले तो उस श्लेष अलंकार कहते है ।

उदाहरणरू रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून

पानी गए न उबरे ,मोती मानुष चून

धन्यवाद